Oceanic Deeps

- महासागरीय गर्त महासागरों के सबसे गहरे भाग होते हैं।
- महासागरीय नितल के लगभग 7% भाग पर फैली हैं।
- इनके ढाल खड़े होते हैं।
- इनकी ~~स्थिति~~ स्थिति प्राय तट के सहारे पर्वतीय मखलाओं के सामने मिलती है।
- द्वीपों के सहारे भी गहरी गर्त देखने को मिलती हैं।
- आकार की दृष्टि से महासागरीय गर्त को दो वर्गों में विभाजित किया जाता है।
  (i) कम क्षेत्रफल वाले किन्तु अधिक गहरे खड को गर्त (deep) कहते हैं।
  (ii) लम्बे खड को खाई (Trench) कहते हैं।
- महासागरों में कुल 57% गर्त का पता लगाया गया है जिसमें से ~~32~~
  - 32 – Pacific Ocean (प्रशांत महासागर)
    19 – Atlantic Ocean (अन्ध महासागर)
    6 – Indian Ocean (हिन्द महासागर)
- विश्व की सबसे गहरी गर्त मेरियाना ट्रेंच है। जो प्रशांत महासागर में फिलीपाइन्स के पास में स्थित है। (गहराई 11.02 km)

गर्त का नाम	स्थिति	गहराई (मीटर में)
1. चैलेंजर (मेरियाना)	उ० प्रशान्त महासागर	11,022
2. टोंगा	मध्य द० प्रशान्त महासागर	10,882

3. स्वायर	उ० प० प्रशान्त महासागर	10,475
4. पोर्टोरिको	पश्चिमी द्वीप समूह	8,385
5. क्यूराइल	सखालीन	10,498
6. रोमशे	द० आन्ध्र महासागर	7,631
7. सुण्डा	पूर्वी हिन्द महासागर	7,450